Booklet Serial No. : 294

DO NOT OPEN THIS TEST BOOKLET UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO

TEST BOOKLET

AP (CC) SANSKRIT-2018

Time Allowed : 2 Hours] [Maximum Marks : 100

All questions carry equal marks.

INSTRUCTIONS

1. Immediately after the commencement of the examination, you should check that test booklet does not have any unprinted or torn or missing pages or items, etc. If so, get it replaced by a complete test booklet.
2. Write your Roll Number only in the box provided alongside. Do not write anything else on the Test Booklet.
3. This Test Booklet contains **100** items (questions). Each item comprises four responses (answers). Choose only one response for each item which you consider the best.
4. After the candidate has read each item in the Test Booklet and decided which of the given responses is correct or the best, he has to mark the circle containing the letter of the selected response by blackening it completely with Black or Blue ball pen. In the following example, response "C" is so marked :

5. Do the encoding carefully as given in the illustrations. While encoding your particulars or marking the answers on answer sheet, you should blacken the circle corresponding to the choice in full and no part of the circle should be left unfilled. After the response has been marked in the ANSWER SHEET, no erasing/fluid is allowed.
6. You have to mark all your responses ONLY on the ANSWER SHEET separately given according to 'INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES' already supplied to you. *Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the answer sheet shall not be examined.*
7. All items carry equal marks. Attempt all items. Your total marks will depend only on the number of correct responses marked by you in the Answer Sheet. There will be negative marking and ¼ (0.25) of the marks will be deducted as penalty for wrong answer.
8. Before you proceed to mark responses in the Answer Sheet fill in the particulars in the front portion of the Answer Sheet as per the instructions sent to you.
9. If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happens to be correct.
10. After you have completed the test, hand over the Answer Sheet only, to the Invigilator.

DO NOT OPEN THIS TEST BOOKLET UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO

P.T.O.

Time Allowed : 2 Hours] [Maximum Marks : 100

1. ऋग्वेद में 'अमृतानां प्रथमः' इस देवता को कहा गया है :

(A) आपः (B) हिरण्यगर्भः

(C) अग्निः (D) इन्द्रः

2. अश्विन्-द्वय को मधुविद्या का प्रकाशन अश्व के शिर से करने वाले ऋषि का नाम है :

(A) वसिष्ठः (B) दीर्घतमा

(C) दध्यङ् (D) अत्रिः

3. वेद में 'उरुगायः' विशेषण इस देव का है :

(A) रुद्रः (B) विष्णुः

(C) सूर्यः (D) इन्द्रः

4. 'ऋतप्रजात' देव है :

(A) अग्निः (B) सूर्यः

(C) विश्वेदेवाः (D) ब्रह्मणस्पतिः

5. 'मृगं न भीमम्' विशेषण इस देव का है :

(A) विष्णुः (B) रुद्रः

(C) इन्द्रः (D) अग्निः

6. 'पृथिवीं रेतसा अवति' करने वाला देव है :

(A) सूर्यः (B) हिरण्यगर्भः

(C) वरुणः (D) पर्जन्यः

7. 'अहस्तासः हस्तवन्तं सहन्ते' इन्हें कहा गया है :

(A) अक्षाः (B) वृत्रः

(C) अपांनपात् (D) मरुद्गणः

8. 'कुचरः' विशेषण से प्रशंसित देव का नाम है :

(A) रुद्रः (B) आपः

(C) विष्णुः (D) सूर्यः

9. वेद में 'भिषजां भिषक्तमः' इन्हें कहा गया है :

(A) अश्विनौ (B) रुद्रः

(C) ब्रह्मणस्पतिः (D) प्रजापतिः

10. गायत्री छन्द में अक्षरों की कुल संख्या होती है :

(A) 28 (B) 32

(C) 24 (D) 36

11. 'रथ' के रूपक के माध्यम से आत्मतत्त्व का विवेचन इस उपनिषद् में है :

(A) माण्डूक्य (B) कठ

(C) केन (D) मुण्डक

12. ''एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।

स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः॥''

यह उद्घोष इस ग्रन्थ में मिलता है :

(A) विष्णुपुराणम् (B) श्रीमद्भागवतपुराणम्

(C) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (D) मनुस्मृतिः

13. 'सत्यमेव जयते नाऽऽनृतम्' वाक्य इस ग्रन्थ में उपलब्ध है :

(A) मुण्डकोपनिषद् (B) माण्डूक्योपनिषद्

(C) छान्दोग्योपनिषद् (D) कठोपनिषद्

14. 'प्रदीपः सर्वविद्यानामुपायः सर्वकर्म्मणाम्।

आश्रयः सर्वधर्माणां शाश्वदान्वीक्षिकी मता॥'

यह कथन इस ग्रन्थकार का है :

(A) शुक्रः (B) चाणक्यः

(C) कौटिल्यः (D) बृहस्पतिः

15. 'बार्हस्पत्यदर्शन' इस दर्शन का ही अपर नाम है :

(A) आर्हतदर्शन (B) चार्वाकदर्शन

(C) तथागतदर्शन (D) अक्षपाददर्शन

16. 'चार ब्रह्मविहारों' के पालन का उपदेष्टा दर्शन है :

(A) जैनदर्शन (B) वेदान्तदर्शन

(C) बौद्धदर्शन (D) योगदर्शन

17. 'निग्रहानुग्रहकर्ता राजा ईश्वरः' सिद्धान्त इस दर्शन का है :

(A) योगदर्शन (B) न्यायदर्शन

(C) मीमांसादर्शन (D) चार्वाकदर्शन

18. 'विक्रमोर्वशीयम्' है :

(A) नाटक (B) प्रकरण

(C) डिम (D) त्रोटक

19. अपभ्रंश का प्रयोग सर्वप्रथम इस रूपक में प्राप्त होता है :

(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) मृच्छकटिकम्

(C) कर्पूरमञ्जरी (D) रत्नावली

20. 'काम्यानां कर्मणां न्यासं संन्यासं कवयो विदुः' संन्यास की यह परिभाषा इस ग्रन्थ में उपलब्ध है :

(A) योगसूत्र
(B) श्रीमद्भगवद्गीता
(C) मनुस्मृति
(D) संन्यासोपनिषद्

21. वेदान्त के अनुसार अज्ञान का स्वरूप है :

(A) ज्ञानाभास
(B) असत्
(C) ज्ञानाभाव
(D) ज्ञानविरोधी

22. 'तत्त्वमसि' महावाक्यार्थबोध में प्रमुख शक्ति है :

(A) जहल्लक्षणा
(B) अजहल्लक्षणा
(C) जहदजहल्लक्षणा
(D) लक्षणलक्षणा

23. लिङ्गशरीर के अवयवों की संख्या है :

(A) 15
(B) 17
(C) 11
(D) 27

24. 'सत्कार्यवाद' सिद्धान्त का पोषक दर्शन है :

(A) न्याय
(B) वेदान्त
(C) सांख्य
(D) मीमांसा

25. 'उपनिषत्प्रमाणम्' इस रूप में प्रसिद्ध दर्शन है :

(A) उत्तरमीमांसा (B) पूर्वमीमांसा

(C) योगदर्शन (D) सांख्यदर्शन

26. 'विपक्षव्यावृत्ति' इस हेतु का रूप है :

(A) अन्वयव्यतिरेक

(B) केवलान्वयी

(C) केवलव्यतिरेकी

(D) उपर्युक्त में से किसी का नहीं

27. अर्थसंग्रह के रचनाकार का नाम है :

(A) भट्टभास्कर (B) लौगाक्षिभास्कर

(C) भास्कराचार्य (D) प्रभाकर

28. वेदान्त के अनुसार निर्विकल्पक समाधि के सम्भावित विघ्नों की संख्या है :

(A) 8 (B) 6

(C) 4 (D) 3

29. वेदान्त के अनुसार स्थूल शरीर के भेद हैं :

(A) 17 (B) 4

(C) 8 (D) 3

30. वेदान्त में 'प्राज्ञ' का अर्थ है :

(A) प्रायेण अज्ञः

(B) प्रकृष्टः अज्ञः

(C) प्रकृत्या अज्ञः

(D) प्राक् अज्ञः

31. तर्कभाषा में द्रव्यों की संख्या बतायी गयी है :

(A) 11

(B) 24

(C) 7

(D) 9

32. 'पञ्चावयव वाक्य के द्वारा स्वनिश्चितार्थ का प्रतिपादन' लक्षण है :

(A) प्रत्यक्ष प्रमाण का

(B) स्वार्थानुमान का

(C) परार्थानुमान का

(D) शब्दप्रमाण का

33. 'अभाव' नामक पदार्थ की कल्पना इस दर्शन में की गयी है :

(A) न्याय दर्शन

(B) नव्यन्याय दर्शन

(C) वैशेषिक दर्शन

(D) मीमांसा दर्शन

34. 'अचिरमृदितमहिषासुररुधिररक्तचरणामिव कात्यायनीम्' उपमा बाणभट्ट ने इसके लिए दी है :

(A) पत्रलेखा

(B) महाश्वेता

(C) कादम्बरी

(D) चाण्डालकन्या

35. 'यत्र च मलिनता हविर्धूमेषु न चरितेषु' बाणभट्ट ने इस सन्दर्भ में कहा है :

(A) अगस्त्याश्रम (B) जाबाल्याश्रम

(C) उज्जयिनी (D) विन्ध्याटवी

36. हर्षचरितम् के कथानक का विभाजन इसमें है :

(A) लम्बक (B) निःश्वास

(C) आश्वास (D) उच्छ्वास

37. उत्तररामचरितम् के षष्ठाङ्क का नाम है :

(A) कुमारप्रत्यभिज्ञान (B) चित्रदर्शन

(C) कुमारविक्रम (D) छायाङ्क

38. 'वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि' कथन उत्तररामचरितम् में इसका है :

(A) आत्रेयी (B) मुरला

(C) सीता (D) वासन्ती

39. 'भरतवाक्य' इस नाटक में उपलबध **नहीं** होता :

(A) मृच्छकटिकम् (B) चारुदत्तम्

(C) वेणीसंहार: (D) उत्तररामचरितम्

40. हर्षविरचित **नहीं** है :

(A) नैषधीयचरितम्
(B) रत्नावली
(C) नागानन्दम्
(D) प्रियदर्शिका

41. कुमारसम्भवम् के पञ्चम सर्ग में आगत 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' उक्ति का वक्ता है :

(A) हिमालय
(B) नारद
(C) ब्रह्मचारी
(D) मैना

42. उत्तररामचरित में 'अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्' इनका कथन है :

(A) जनक
(B) तमसा
(C) वासन्ती
(D) लक्ष्मण

43. योगदर्शन के अनुसार वृत्तियों के प्रकार हैं :

(A) 3
(B) 5
(C) 7
(D) 6

44. 'चौरपञ्चाशिका' के प्रणेता हैं :

(A) सिल्हण
(B) कल्हण
(C) बिल्हण
(D) मयूरभट्ट

45. 'सदूषणापि निर्दोषा सखरापि सुकोमला' के रूप में त्रिविक्रम भट्ट ने इसकी प्रशंसा की है :

(A) रामायण कथा (B) महाभारत कथा

(C) हरिवंश कथा (D) कादम्बरी कथा

46. 'व्यासदास' अपर नाम से प्रसिद्ध कवि हैं :

(A) रत्नाकार (B) क्षेमेन्द्र

(C) श्रीहर्ष (D) सोमदेव

47. 'राघवपाण्डवीयम्' महाकाव्य का प्रणेता है :

(A) कविराज (B) वाक्पतिराज

(C) जोनराज (D) भोजराज

48. 'वाचः काठिन्यमायान्ति भङ्गश्लेषे विशेषतः' इस कवि का कथन है :

(A) बाणभट्ट (B) दण्डी

(C) सुबन्धु (D) त्रिविक्रमभट्ट

49. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य के प्रणेता कवि हैं :

(A) कपिलदेव द्विवेदी (B) रेवाप्रसाद द्विवेदी

(C) रहसबिहारी द्विवेदी (D) राजेन्द्र मिश्र

50. नाट्यमण्डप की रक्षार्थ रङ्गपीठ के मध्य विराजमान देव का नाम है :

(A) ब्रह्मा (B) इन्द्र

(C) रुद्र (D) विष्णु

51. नाट्यशास्त्र पर अभिनवगुप्त विरचित टीका का असली नाम है :

(A) अभिनवभारती (B) नाट्यशास्त्रवृत्ति

(C) नाट्यवेदविवृत्ति (D) नाट्यवेदप्रकाश

52. ध्वनि के अभाववादियों के सम्भावित पक्षों की संख्या ध्वन्यालोक में निर्दिष्ट है :

(A) 3 (B) 5

(C) 7 (D) 2

53. काव्यप्रकाश में विवेचित सादृश्यमूलक अलङ्कारों की संख्या है :

(A) 19 (B) 36

(C) 11 (D) 29

54. 'प्रकृतं यन्निषिध्यान्यत् साध्यते' लक्षण से अभिप्रेत अलङ्कार है :

(A) विनोक्ति (B) अनुमान

(C) अपह्नुति (D) व्याजोक्ति

55. 'माधुर्य' गुण का सर्वाधिक चमत्कारजनकत्व इस रस में होता है :

(A) करुण (B) शान्त

(C) सम्भोगशृङ्गार (D) विप्रलम्भशृङ्गार

56. अनुरागवती सन्ध्या दिवसस्तत्पुरःसरः।

अहो दैवगतिश्चित्रा तथापि न समागमः॥

मम्मट के अनुसार इस श्लोक में प्रधान अलङ्कार है :

(A) समासोक्ति (B) श्लेष

(C) विरोध (D) अतिशयोक्ति

57. काव्यप्रकाश में उद्धृत भर्तृहरि के मतानुसार अनेकार्थक शब्दों के एकार्थ-निर्णय में निर्णायक हेतुओं की संख्या है :

(A) 8 (B) 6

(C) 14 (D) 18

58. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' यह कथन इस आचार्य का है :

(A) पण्डितराज (B) भोजराज

(C) वामन (D) विश्वनाथ

59. 'अष्टादशभाषावारविलासिनीभुजङ्ग' यह गर्वोक्ति अपने सम्बन्ध में इस आचार्य ने की है :

(A) पण्डितराजजगन्नाथ (B) विश्वनाथ

(C) आचार्य राजशेखर (D) अप्पयदीक्षित

60. त्वामस्मि वच्मि विदुषां समवायोऽत्र तिष्ठति।

आत्मीयां मतिमास्थाय स्थितिमत्र विधेहि तत्॥

मम्मट के अनुसार उक्त श्लोक इसका उदाहरण है :

(A) विवक्षितवाच्यध्वनि

(B) अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यध्वनि

(C) अर्थान्तरसङ्क्रमितवाच्यध्वनि

(D) असँल्लक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनि

61. पाणिनीय व्याकरण के अनुसार 'ऋ' वर्ण के भेदों की संख्या है :

(A) 18 (B) 12

(C) 20 (D) 30

62. श, ष, स वर्ण कहे जाते हैं :

(A) ऊष्म (B) अन्तःस्थ

(C) उपध्मानीय (D) जिह्वामूलीय

63. क्रिया के पूर्व प्रयुक्त होने पर प्रादि शब्दों की संज्ञा होती है :

(A) कर्मप्रवचनीय (B) अव्यय

(C) उपसर्ग (D) सार्वधातुक

64. 'सुख + ऋतः' में सन्धि होने पर रूपनिष्पन्न होगा :

(A) सुखर्तः (B) सुखार्तः

(C) सुखऋतः (D) सुखाऋतः

65. पूर्वरूप सन्धि का विधायक सूत्र है :

(A) एङः पदान्तादति (B) अवङ् स्फोटायनस्य

(C) इन्द्रे च (D) ओत्

66. 'झलां जशोऽन्ते' सूत्र का उदाहरण है :

(A) उत्थानम् (B) दुग्धम्

(C) वागीशः (D) वाग्घरिः

67. 'छे च' सूत्र का उदाहरण है :

(A) शिवच्छाया (B) लक्ष्मीच्छाया

(C) चेच्छिद्यते (D) आच्छादयति

68. ओदन्त निपातों की संज्ञा होती है :

(A) सवर्ण

(B) घि

(C) टि

(D) प्रगृह्य

69. 'अष्टौ' यह रूप बनता है :

(A) प्रथमा विभक्ति द्विवचन में

(B) सप्तमी विभक्ति द्विवचन में

(C) प्रथमा और द्वितीया के बहुवचन में

(D) केवल द्वितीया के बहुवचन में

70. 'वृत्र' पद का 'मेघ' अर्थ इन्हें अभीष्ट है :

(A) वैयाकरणों को

(B) नैरुक्तों को

(C) इतिहासकारों को

(D) प्रातिशाख्यकारों को

71. 'लण' इस माहेश्वर सूत्र में मध्यगत 'अ' की इत्संज्ञा का प्रयोजन है :

(A) उच्चारणसौकर्य

(B) 'र' संज्ञार्थ

(C) केवल अदर्शनार्थ

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

72. 'चौरभयम्' इस पद का **सही** समासविग्रह है :

(A) चौरेण भयम्
(B) चौरस्य भयम्
(C) चौराय भयम्
(D) चौराद् भयम्

73. पूर्वकालिक क्रिया के अर्थ का बोध कराने के लिए धातु से प्रत्यय होता है यदि कर्त्ता एक ही है :

(A) ल्यप्
(B) तुमुन्
(C) क्त्वा
(D) ल्युट्

74. 'गार्ग्यः' में तद्धित प्रत्यय है :

(A) अण्
(B) यञ्
(C) ण्य
(D) यत्

75. ऋषिवाचक शब्दों से 'अपत्य' अर्थ में प्रत्यय होता है :

(A) अण्
(B) यञ्
(C) यत्
(D) ण्य

76. 'अधिक' अर्थ द्योतित होने पर 'उप' के योग में विभक्ति होती है :

(A) द्वितीया
(B) चतुर्थी
(C) षष्ठी
(D) सप्तमी

77. 'क्रोशेन पुस्तकं पठितम्' उदाहरण है इस सूत्र का :

(A) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे

(B) अपवर्गे तृतीया

(C) साधकतमं करणम्

(D) तृतीयार्थे

78. किसी पद्य में क्रमशः तगण, तगण, जगण, गुरु, गुरु होने पर छन्द होता है :

(A) उपेन्द्रवज्रा (B) दोधक

(C) उपजाति (D) इन्द्रवज्रा

79. भुजङ्गप्रयात छन्द में गणों का क्रम इस प्रकार होता है :

(A) य य य य (B) र र र र

(C) स ज स स (D) न भ ज र

80. प्राकृत के सर्वाधिक प्रकारों का प्रयोग इस रूपक में हुआ है :

(A) विक्रमोर्वशीयम् (B) रत्नावली

(C) मृच्छकटिकम् (D) कर्पूरमञ्जरी

81. सालमन (Salmon) क्या है ?

(A) सदाबहार जलवायु

(B) अफ्रीका में उगाई जाने वाली खेती

(C) न्यूजीलैण्ड में पाया जाने वाला अजगर

(D) मछली की प्रजाति

82. मानव के विकास की प्रक्रिया में कौनसा क्रम उचित है ?

(A) झुण्ड पशुपालन, कन्दमूल भक्षक, आखेट युग, औद्योगिक युग

(B) आखेट युग, कन्दमूल भक्षक, झुण्ड पशुपालन, औद्योगिक युग

(C) कन्दमूल भक्षक, आखेट युग, झुण्ड पशुपालन, औद्योगिक युग

(D) औद्योगिक युग, कन्दमूल भक्षक, आखेट युग, झुण्ड पशुपालन

83. "सत्यमेव जयते" जिसे भारत के ध्वज में दर्शाया गया है कहाँ से लिया गया है ?

(A) मुण्डक उपनिषद (B) पुराण

(C) रामायण (D) सामदेव

84. नेपानगर किस उद्योग के लिए जाना जाता है ?

(A) अखबारी कागज (B) चमड़ा उद्योग

(C) सूत उद्योग (D) इनमें से कोई नहीं

85. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को कैसे हटाया जा सकता है ?

(A) महाभियोग द्वारा

(B) प्रधान मंत्री द्वारा

(C) राज्य सभा द्वारा

(D) लोक सभा द्वारा

86. किस संविधान संशोधन से प्रस्तावना में समाजवादी तथा धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े गये ?

(A) 40वाँ संशोधन

(B) 42वाँ संशोधन

(C) 44वाँ संशोधन

(D) 46वाँ संशोधन

87. संघ सूची में कितने विषय हैं ?

(A) 66

(B) 44

(C) 97

(D) कोई नहीं

88. महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को किस युद्ध में हराया था ?

(A) खतौला (खतौली) युद्ध

(B) पानीपत युद्ध

(C) वांडीवाश युद्ध

(D) तेलंगाना युद्ध

89. राजा राममोहन राय की मृत्यु कहाँ हुई थी ?

(A) अमेरिका (B) रूस

(C) इंग्लैण्ड (D) चीन

90. सरकारिया आयोग का गठन क्यों किया गया था ?

(A) राज्यों के आपसी सम्बन्धों की समीक्षा

(B) राज्य तथा केन्द्र के सम्बन्धों की समीक्षा

(C) सीमाओं के सम्बन्ध में सुझाव देना

(D) घाटे में चल रहे उद्योगों की समीक्षा

91. भृगु ऋषि झील समुद्र तल से लगभग कितने मीटर की ऊँचाई पर है ?

(A) 4240 मीटर (B) 3300 मीटर

(C) 2600 मीटर (D) 2960 मीटर

92. सैंज जलविद्युत परियोजना किस नदी बेसिन पर बनाई जा रही है ?

(A) सतलुज (B) ब्यास

(C) यमुना (D) रावी

93. हाटी समुदाय के लोग किस क्षेत्र में अनुसूचित दर्जे की मांग कर रहे हैं ?

(A) सिरमौर (B) शिमला

(C) चम्बा (D) मण्डी

94. लूनी नदी हिमाचल प्रदेश की किस शृंखला से निकलती है ?

(A) चूढधार (B) सिकन्दरधार

(C) धौलाधार (D) मनीकर्णधार

95. हि. प्र. राज्य खादी और ग्राम उद्योग का वाइस चेयरमैन किसे बनाया गया है ?

(A) रसील सिंह (B) जीत राम

(C) पुरशोतम गुलेरिया (D) अश्वनी कुमार

96. हिमाचल प्रदेश के वन मंत्री कौन हैं ?

(A) महेन्द्र सिंह ठाकुर

(B) विक्रम सिंह

(C) विरेन्द्र कंवर

(D) गोविन्द सिंह ठाकुर

97. धर्मशाला (कांगड़ा) में किस अंग्रेज लार्ड की समाधि है ?

(A) लार्ड डलहौजी (B) लार्ड लारेंस

(C) लार्ड एल्गिन (D) लार्ड ऑकलैण्ड

98. महाराजा संसारचंद की मृत्यु किस वर्ष हुई ?

(A) 1823 (B) 1858

(C) 1773 (D) 1802

99. नेरटी की लड़ाई किन राज्यों के शासकों के बीच हुई थी ?

(A) कागड़ा-चम्बा (B) मण्डी-सुकेत

(C) बिलासपुर-धामी (D) सिरमौर-क्योंथल

100. बिलासपुर को हिमाचल प्रदेश में 1954 में मिलाया गया था। इससे पूर्व इसका क्या दर्जा था ?

(A) चीफ कमिश्नर प्रोविंस

(B) पार्ट ''ग'' श्रेणी

(C) पंजाब के अधीन

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं